Series BRH

कोड नं. **4/1**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 16 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 19 प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा – II

SUMMATIVE ASSESSMENT – II

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम ब)

(Course B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र के चार खण्ड हैं — क, ख, ग और घ ।

(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

फूल बोने का तात्पर्य सुख पहुँचाना तथा काँटे बोने का अर्थ दुख पहुँचाना है। मानव-जीवन की सार्थकता अपने आपको सुखी बनाने में ही नहीं है, बल्कि औरों को सुख पहुँचाने में है। तुलसीदास ने कहा है कि दूसरों की भलाई के समान धर्म नहीं तथा दूसरों के अपकार से बढ़कर नीचता नहीं। यह उक्ति परम सार्थक है जो प्रेरणादायी है। दूसरों को सुख पहुँचाने के लिए ईश्वर को भी धरती पर अवतरित होना पड़ता है। जिन्होंने मनुष्य-जाति की भलाई के लिए अपना सुख तथा अपने प्राण बलिदान कर दिए, वे लोग मानव-जाति के इतिहास में चिरस्मरणीय एवं वंदनीय बन गए। इसीलिए कवियों तथा संतों ने यह उपदेश दिया है। कबीर ने तो यहाँ तक कहा है कि जो तेरे लिए काँटे बोता है उसके लिए भी तू फूल बो। ऐसी स्थिति में हमें चाहिए कि हम मानवता के सच्चे सिपाही बनें तथा दूसरों को सुखी बनाने में यथाशक्ति योगदान करें। यह भी ध्यान रखना है कि दूसरों के शोषण के लिए अथवा स्वार्थपूर्ति के लिए किया गया प्रत्येक अनैतिक कार्य वर्जित है।

(i) मानव-जीवन की सार्थकता है

(क) अपने आपको सुखी बनाने में।

(ख) बहुत धन कमाने में।

(ग) औरों को सहयोग देने में।

(घ) औरों को सुख पहुँचाने में

(ii) मानव-जाति के इतिहास में चिरस्मरणीय होते हैं

(क) ईश्वर की अर्चना में लगे रहने वाले।

(ख) देश की सीमा पर दुश्मनों से जूझने वाले।

(ग) अपना सुख और प्राण बलिदान करने वाले।

(घ) अपना धन लुटाने वाले।

(iii) सबसे बड़ी नीचता क्या है ?

(क) दूसरों की निंदा करना

(ख) दूसरों का अपमान करना

(ग) दूसरों के लिए काँटे बोना

(घ) दूसरों को दुख पहुँचाना

(iv) कड़वे बोल बोलने के लिए तुम क्यों बोल सकोगे ?

(क) उनसे बदला लेने के लिए

(ख) मनोरंजन के लिए

(ग) उनको चिढ़ाने के लिए

(घ) अपना प्रभाव जमाने के लिए

(v) गद्यांश में आए 'उपकार' शब्द का विलोमार्थक शब्द है

(क) विकार

(ख) प्रकार

(ग) अपकार

(घ) संस्कार

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

मानवीय गुणों को धारण करके ही मानव, मनुष्य कहलाने का अधिकारी होता है। मनुष्य-मात्र को बंधु मानकर उसके सुख-दुख का सहभागी बनने वाला ही मनुष्य कहला सकता है। मानव-शरीर के भीतर यदि दानवी अथवा पाशविक वृत्तियाँ पलती हैं तो मनुष्य होकर भी वह दानव या पशु-तुल्य समझा जाएगा। अपने ही जीवन को सुखी सम्पन्न बनाने की चेष्टा में लगा हुआ व्यक्ति सद्गुण-वान होने पर भी सार्थकता अर्जित नहीं कर सकता। उसे पूर्ण मानव भी नहीं कहा जा सकता। सच्चा मनुष्य तो वह सद्गुणी व्यक्ति है जो मनुष्यों के साथ-साथ रहकर मनुष्य जाति के कल्याणार्थ प्रयत्न करता है। अपने अधिकार तक अंशों को त्याग अर्पित करता है। दूसरों की भलाई के लिए वह स्वयं आत्मबलिदान कर देता है। ऐसा व्यक्ति उस नदी की तरह है जिसके जल का पान कर अनेक प्राणियों के जीवन की रक्षा होती है। सच्चा मानव दूसरों की सेवा में अपनी यथाशक्ति सहायता करता है, चाहे उसे इस कार्य में कोई कष्ट क्यों न झेलने पड़े तथा हानि उठानी पड़े।

(i) कैसा मनुष्य को मनुष्य नहीं माना जा सकता ?

(क) जो दूसरों को दुख देता रहता है ।

(ख) जो दुराचारी होता है ।

(ग) जो तन मन से कमजोर होता है ।

(घ) जो मानवीय गुणों से रहित होता है ।

(ii) पशु-तुल्य किसे समझा जाता है ?

(क) जो जंगलों में पशुओं के साथ रहता है ।

(ख) जिसमें पाशविक वृत्तियाँ पलती हैं ।

(ग) जो पशुओं-जैसा भोजन करता है ।

(घ) जो दूसरों की हिंसा करता है ।

(iii) अपनी अपेक्षा दूसरों की चिंता करने वाला

(क) लोकप्रिय हो जाता है ।

(ख) सदा परेशान रहता है ।

(ग) अपने परिवार में उपेक्षित हो जाता है ।

(घ) अपने स्वजन पालन भी नहीं कर पाता ।

(iv) मीठे फलों का वृक्ष

(क) अपना फल स्वयं खाता है ।

(ख) अपना फल दूसरों को देता है ।

(ग) अपना फल किसी को नहीं देता है ।

(घ) अपने फलों से अपना पालन करता है ।

(v) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है

(क) सच्चा मानव

(ख) मानवीय गुण वाला

(ग) लोकप्रियता

(घ) औरों के हित

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

जो रुकावट डालकर होवे कोई पर्वत खड़ा
तो उसे देते हैं अपनी युक्तियों से वे उड़ा ।
बीच में पड़कर जलधि जो काम देवे गड़बड़ा
तो बना देंगे उसे वे क्षुद्र पानी का घड़ा ।
वन खंगालेंगे, करेंगे व्योम में बाजीगरी
कुछ अजब धुन काम के करने की है उनमें भरी ।
सब तरह से आज जितने देश हैं फूले फले
बुद्धि, विद्या, धन, विभव के हैं जहाँ डेरे डले ।
वे बनाने से उन्हीं के बन गए इतने भले
वे सभी हैं हाथ से ऐसे सपूतों के पले
लोग जब ऐसे समय पाकर जनम लेंगे कभी
देश की औ' जाति की होगी भलाई भी तभी ।

(i) कवि ने इस कविता में कैसे व्यक्तियों की ओर संकेत किया है ?
   (क) जो पर्वत की तरह रुकावट बनते हैं ।
   (ख) जो पानी के घड़े की भाँति क्षुद्र हैं ।
   (ग) जो बाजीगरी के करतब दिखा सकते हैं ।
   (घ) जो हमेशा अपने लक्ष्य और काम की धुन में रहते हैं ।

(ii) पर्वत जैसी रुकावटों को भी वे कैसे दूर करते हैं ?
   (क) अस्त्र-शस्त्रों से
   (ख) लोगों की सहायता लेकर
   (ग) अपनी युक्ति से
   (घ) बुलन्द हौसले से

(iii) काम करने की धुन वाले लोगों से देशों पर क्या असर हुआ है ?
   (क) देश सैनिक शक्ति से समृद्ध हुए
   (ख) वैज्ञानिक क्षेत्र में समृद्ध हुए
   (ग) अल्पकाल में समृद्ध हुए
   (घ) धन, ज्ञान, विवेक से समृद्ध हुए

(iv) [illegible]

(क) [illegible]

(ख) [illegible]

(ग) [illegible]

(घ) [illegible]

(v) कवि के अनुसार [illegible]

(क) [illegible]

(ख) [illegible]

(ग) [illegible]

(घ) [illegible]

4. [illegible] 1×5=[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

(i) [illegible] के बाद क्या शेष रह जाएगा ?

(क) महल

(ख) आँगन

(ग) दीवारें

(घ) घड़े

(ii) [illegible] खिड़कियों से किसकी कथा सुनाएंगी ?

(क) जंगल की

(ख) सिपाही की

(ग) आँसुओं की

(घ) [illegible] की

(iii) [illegible]

(क) [illegible] में [illegible]

(ख) लम्बे और ऊँचे

(ग) [illegible] में [illegible]

(घ) [illegible]

(iv) [illegible] का आशय है

(क) शोर होने लगेगा

(ख) शांत हो जाएगा

(ग) [illegible]

(घ) बिजली कड़कने लगेगी

(v) अंतिम जब कौन सी [illegible] होंगी ?

(क) दुआ की

(ख) दुःख की

(ग) शांति की

(घ) करुणा की

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×4=4

(i) मित्र लेने गये [illegible] इन दुष्ट लोगों के [illegible] ? वाक्य में रेखांकित पदबंध है

(क) सर्वनाम

(ख) विशेषण

(ग) संज्ञा

(घ) क्रिया

(ii) 'विद्यालय की तरफ मंदिर है' — वाक्य में अव्यय पदबंध है

(क) विद्यालय की

(ख) मंदिर है

(ग) की तरफ

(घ) विद्यालय की तरफ

(iii) 'मैं यहाँ उनकी कक्षा में पढ़ता था' — वाक्य में रेखांकित का पद-परिचय है

(क) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(ख) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन

(ग) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

(iv) हम देश के लिए त्याग कर सकते हैं — में रेखांकित का पद परिचय है

(क) सर्वनाम, निश्चयवाचक, प्रथम पुरुष, बहुवचन, पुल्लिंग

(ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तम पुरुष, बहुवचन, पुल्लिंग

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, प्रथम पुरुष, एकवचन, पुल्लिंग

(घ) सर्वनाम, निश्चयवाचक, बहुवचन, पुल्लिंग

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×4=4

(i) 'वह ऐसा [illegible] मित्र है जो हमेशा संकट में साथ देता है' — रचना की दृष्टि से वाक्य है

(क) सरल

(ख) संयुक्त

(ग) मिश्र

(घ) साधारण

(ii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य छाँटकर लिखिए :

(क) मेरा घर गाँव में ही है।

(ख) मैं जानता हूँ कि वे तुमसे स्नेह करते हैं।

(ग) मैं जहाँ रहता हूँ, तुम वहाँ आ जाना।

(घ) वे यहाँ आए और मैं चला आया

(iii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है :

(क) मैं ऐसा मकान चाहता हूँ जिसमें तीन कमरे हों।

(ख) तुम दोनों हमेशा साथ-साथ रहते हो।

(ग) हम [illegible] का कार्यालय [illegible] से पहुँचे हैं।

(घ) चुपचाप बैठो और अपना काम करो।

(iv) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है :

(क) तुम यहाँ से चले जाओ।

(ख) तुम यहाँ से चले जाओ और पढ़ो।

(ग) तुम यहाँ से तब जाओ जब काम करने की [illegible] हो।

(घ) तुम यहाँ से जाकर पढ़ो।

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×4=4

(i) 'महोत्सव' का संधि-विच्छेद है

(क) महा + उत्सव

(ख) महो + उत्सव

(ग) मह + उत्सव

(घ) महा + ओत्सव

(ii) 'प्रति + [illegible]' की संधि है

(क) [illegible]

(ख) [illegible]

(ग) [illegible]

(घ) [illegible]

(iii) 'विद्यालय' समस्त पद का विग्रह है

(क) विद्या का आलय

(ख) विद्या में आलय

(ग) विद्या के लिए आलय

(घ) विद्या रूपी का आलय

(iv) 'रंग' के साथ [illegible] पद है

(क) रंगरूप

(ख) रंगत

(ग) रंगीन

(घ) रंगीला

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×4=4

(i) दूसरों पर ____________ से पहले अपना काम स्वयं शुरू करो। वाक्य में उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

(क) उँगली उठाना

(ख) [illegible]

(ग) बाल की खाल निकालना

(घ) गले लगाना

(ii) 'पत्थर की लकीर' का अर्थ है

(क) [illegible]

(ख) [illegible]

(ग) निश्चय करना

(घ) दृढ़ [illegible]

(iii) 'एक मेरा मन नहीं है राम है, उसका है ____________।'
उपयुक्त लोकोक्ति से वाक्य-पूर्ति कीजिए।

(क) [illegible]

(ख) टेढ़ी उँगली से घी निकलता है

(ग) दोनों हाथ लड्डू

(घ) नाच न जाने आँगन टेढ़ा

(iv) साँप मरे और लाठी न टूटे का भाव है :

(क) जितना काम है उतने लिए पैसा

(ख) नुकसान होने पर भी स्वीकार करते रहें

(ग) काम बन जाए; नुकसान भी न हो

(घ) मुर्दे का साथ कुछ नहीं देता है

9. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×4=4

(i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है :

(क) फल बच्चे को काटकर खिलाओ।

(ख) तुम तुम्हारी बहन से कहो।

(ग) फल काटकर बच्चे को खिलाओ।

(घ) मैं यहाँ कुशलतापूर्वक हूँ।

(ii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है :

(क) प्रधानाचार्य ने घोषणा की।

(ख) छात्र चरित्र निर्माण उनका लक्ष्य होना चाहिए।

(ग) प्रधानाचार्य उपाध्यक्ष को बुलाए।

(घ) क्या आपने विश्राम कर लिया है ?

(iii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है :

(क) क्या आप यह पुस्तक ले लिए हैं ?

(ख) क्या आपने यह पुस्तक पढ़ ली है ?

(ग) तुम मेरे मित्र हो मैं तुमको भली-भाँति जानता हूँ।

(घ) माँ को किसी की परवाह नहीं।

(iv) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य छाँटकर लिखिए :

(क) अनुज पंक्तियाँ काव्य की पुस्तक से ली हैं।

(ख) आपको क्या होना ?

(ग) कृष्णा, अब यहाँ बैठिए।

(घ) मेरी माताजी मुझे को बहुत प्यार करती हैं।

खण्ड ग

10. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×4=4

मनुष्य-मात्र बंधु है यही बड़ा विवेक है,
पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है।
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद है,
परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है।
अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

(i) सबसे बड़ा विवेक क्या है ?
- (क) शास्त्रों का ज्ञान होना
- (ख) ईश्वर के महत्व का ज्ञान होना
- (ग) मनुष्य-मात्र को भाई समझना
- (घ) ईश्वर का अस्तित्व मानना

(ii) स्वयंभू पिता का तात्पर्य है ?
- (क) सर्वशक्तिमान परमेश्वर
- (ख) पालन पोषण करने वाला
- (ग) परिवार का मुखिया
- (घ) स्वयं को पिता मानने वाला

(iii) मनुष्य-मनुष्य में बाहरी अंतर क्यों दिखाई देता है ?
- (क) रूप-रंग में अंतर के कारण
- (ख) विचारों के अलग होने के कारण
- (ग) विभिन्न जाति में जन्म लेने के कारण
- (घ) कर्म के अनुसार फल भोगने के कारण

(iv) सबसे बड़ा अनर्थ है
- (क) भाई ही भाई को सम्मान न दे
- (ख) भाई ही भाई का कष्ट दूर करे
- (ग) भाई ही भाई का दुख दूर न करे
- (घ) भाई ही भाई को धोखा देकर मारे

(v) 'शत्रु' शब्द का पर्यायवाची है

(क) [illegible]

(ख) प्रजा

(ग) [illegible]

(घ) रिपु

अथवा

राह कुर्बानियों की न वीरान हो
तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले
फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है
ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले
    बाँध लो अपने सर से कफ़न, साथियो ।
    अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो ।

(i) कुर्बानियों की राह कौन-सी है ?

(क) देश की भलाई की राह

(ख) बलिदानी देशभक्तों की राह

(ग) देश की प्रगति की राह

(घ) गणनायकों की राह

(ii) 'नए काफ़िले' से कवि का क्या तात्पर्य है ?

(क) सेनापतियों की टोली

(ख) युद्ध के लिए सेवक सैनिकों की टोली

(ग) नए बलिदानी देशभक्तों की टोली

(घ) युद्ध का संचालन करने वाले सैनिकों की टोली

(iii) कविता की किस पंक्ति में जीवन और मृत्यु का मिलन कहा गया है ?

(क) बाँध लो अपने सर से कफ़न, साथियो

(ख) तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले

(ग) फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है

(घ) ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले

(iv) 'सिर पर कफ़न बाँधने' का अर्थ है

(क) बलिदान के लिए तैयार रहना

(ख) युद्ध के लिए प्रस्तुत रहना

(ग) [illegible]

(घ) देश से प्रेम करना

(v) जीत का जश्न किस जश्न के बाद होगा ?

(क) युद्ध के

(ख) बलिदान के

(ग) आज़ादी के

(घ) किसी त्योहार के

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए : $2\frac{1}{2}+2\frac{1}{2}=5$

(क) ओचुमेलॉव कौन था ? कुत्ते के बारे में ओचुमेलॉव के विचारों में परिवर्तन क्यों आ गया ? 'गिरगिट' पाठ के आधार पर उल्लेख कीजिए ।

(ख) '[illegible] की देन' के आधार पर लिखिए कि लेखक ने ग्रामीणों के विषय में [illegible] हीन होने की बात क्यों कही है ।

(ग) [illegible] कौन था ? उसने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए ? 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए ।

(घ) 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए कि समुद्र को क्रोध आने का क्या कारण था । उसने अपना गुस्सा कैसे शांत किया ?

12. "जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है ।" 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर सोदाहरण आशय स्पष्ट कीजिए । 5

अथवा

'गिरगिट' कहानी के माध्यम से समाज की किन विसंगतियों पर व्यंग्य किया गया है ? पाठ के आधार पर लिखिए ।

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

बढ़ती हुई आबादी ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है। बारूदों की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया। अब गर्मी में ज़्यादा गर्मी, बेवक्त की बरसातें, ज़लज़ले, सैलाब, तूफ़ान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं। नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है।

(क) बढ़ती हुई आबादी का प्रकृति पर क्या प्रभाव पड़ा है ? 2

(ख) बारूदी विनाशलीला ने वातावरण को कैसे प्रभावित किया है ? 2

(ग) नित नए रोग क्यों होने लगे हैं ? 1

अथवा

शुद्ध आदर्श भी शुद्ध सोने के जैसे ही होते हैं। चंद लोग उनमें व्यावहारिकता का थोड़ा-सा ताँबा मिला देते हैं और चलाकर दिखाते हैं। तब हम लोग उन्हें 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' कहकर उनका बखान करते हैं।

पर बात न भूलें कि बखान आदर्शों का नहीं होता बल्कि व्यावहारिकता का होता है। और जब व्यावहारिकता का बखान होने लगता है तब 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्टों' के जीवन से आदर्श धीरे-धीरे पीछे हटने लगते हैं।

(क) शुद्ध आदर्शों की तुलना शुद्ध सोने से क्यों की गई है ? 2

(ख) लेखक ने व्यावहारिकता की तुलना किस धातु से की है ? इसकी क्या विशेषता है ? 2

(ग) ताँबे का प्रयोग क्यों होता है ? 1

14. (क) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता में कवयित्री दीपक को हर्षित जलने के लिए क्यों कहती है ? 2

(ख) 'आत्मत्राण' कविता में कवि क्या प्रार्थना करता है ? इसे अपने शब्दों में लिखिए। 2

(ग) 'मनुष्यता' कविता में व्यक्ति को किस प्रकार का जीवन व्यतीत करने की प्रेरणा दी गई है ? 1

15. स्कूल में जाने की चाह न होने पर भी, लेखक को कब और क्यों स्कूल जाना अच्छा लगने लगा ? 5

अथवा

इफ़्फ़न को 'टोपी शुक्ला' कहानी का महत्त्वपूर्ण पात्र कैसे माना जा सकता है ?

16. 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि पढ़ने-पढ़ाने वाले अध्यापकों के प्रति बच्चों की क्या धारणा बन जाती है। 2

17. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) <u>भ्रष्टाचार और जनता</u>
- भ्रष्टाचार — अर्थ और कारण
- जनता पर प्रभाव
- भ्रष्टाचार से मुक्ति के उपाय

(ख) भारत में बाढ़ की समस्या
- बाढ़ के कारण
- बाढ़ का जनजीवन पर प्रभाव
- बाढ़ से बचने के उपाय

(ग) <u>विद्यालय में विज्ञान-प्रदर्शनी</u>
- विज्ञान-प्रदर्शनी क्या
- प्रदर्शनी की उपयोगिता
- नए वैज्ञानिकों की उपलब्धियाँ

18. हिन्दी दिवस के अवसर पर विद्यालय में आयोजित समारोह में आपको जो सफलता मिली, उसके बारे में मित्र को पत्र लिखिए। 5

अथवा

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपनी कॉलोनी में बच्चों के लिए आयोजित कार्यक्रम की प्रेस-विज्ञप्ति किसी समाचार-पत्र के संपादक को भेजते हुए प्रकाशन के लिए निवेदन कीजिए।